The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Monday, August 17, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर कॉम्बैट लीडर अधिकारी बनीं।
- इगा स्वियाटेक ने एलेना रयबाकिना को हराकर 2026 कनाडाई ओपन महिला एकल खिताब जीता।
- भाषिणी और नीति आयोग ने देश भर में बहुभाषी आवाज-प्रथम एआई शासन को आगे बढ़ाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- सरकार ने वन हर्ब वन स्टैंडर्ड पहल के तहत पीसीआईएम एंड एच-आईपीसी समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया।
- भारत और मलेशिया ने वायु सेना की पारस्परिकता को मजबूत करते हुए उदय शक्ति 2026 अभ्यास शुरू किया
- रक्षा मंत्रालय ने उन्नत लॉइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम के लिए 1,577 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।
- मंत्रालय ने सक्रिय बुढ़ापा, गरिमा और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने वाली एसएनईएचए ई-बुक लॉन्च की
- सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच और सेमिरी ने आयुर्वेद चिकित्सा पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- राष् ट्रपति मुर्मू ने देश भर में 13 मरणोपरांत सम् मानों सहित 78 वीरता पुरस् कारों को मंजूरी दी।
- पीएम मोदी ने एक करोड़ युवाओं के लिए एआई प्रशिक्षण और सात स्तंभों के विकास ढांचे की घोषणा की।

स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ: भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर कॉम्बैट लीडर

- स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ फाइटर कॉम्बैट लीडर (एफसीएल) के रूप में अर्हता प्राप्त करने वाली भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की पहली महिला अधिकारी बन गई हैं। यह उपलब्धि भारत की लड़ाकू और विशेष सैन्य भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL):

- एफसीएल योग्यता एक उन्नत पेशेवर योग्यता है जिसमें वायु-युद्ध रणनीति, परिचालन योजना, लड़ाकू नेतृत्व और लड़ाकू विमानों का रोजगार शामिल है। यह टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (TACDE), ग्वालियर से जुड़ा हुआ है, जो उन्नत सामरिक और वायु-युद्ध प्रशिक्षण के लिए IAF का प्रमुख संस्थान है।

भावना कंठ के बारे में:

- भावना कंठ अवनी चतुर्वेदी और मोहना सिंह के साथ भारत की पहली तीन महिला लड़ाकू पायलटों में से एक थीं।
- इन तीनों को 2016 में महिलाओं को लड़ाकू पायलटों के रूप में शामिल करने की सरकार की प्रायोगिक योजना के तहत भारतीय वायुसेना की लड़ाकू धारा में शामिल किया गया था।
- 2019 में, भावना कंठ मिग-21 बाइसन पर परिचालन प्रशिक्षण पूरा करने के बाद लड़ाकू अभियानों के लिए अर्हता प्राप्त करने वाली पहली महिला लड़ाकू पायलट बनीं।
- उन्हें रक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और उपलब्धि के लिए नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

टीएसीडीई, ग्वालियर:

- टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (टीएसीडीई) एक प्रमुख भारतीय वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठान है जो उन्नत सामरिक प्रशिक्षण, वायु-युद्ध प्रक्रियाओं और परिचालन नेतृत्व पर केंद्रित है। यह लड़ाकू पायलटों के बीच विशेष युद्ध कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

महत्त्व:

- लड़ाकू भूमिकाओं में महिलाएं: सशस्त्र बलों में उच्च अंत परिचालन और नेतृत्व के पदों पर महिलाओं के प्रगतिशील एकीकरण को प्रदर्शित करता है।
- सैन्य व्यावसायीकरण: आधुनिक हवाई युद्ध में विशेष प्रशिक्षण और सामरिक विशेषज्ञता के महत्व पर प्रकाश डालता है।
- लैंगिक समानता: पेशेवर क्षमता और परिचालन क्षमता के आधार पर समान अवसर के सिद्धांत को मजबूत करता है।
- रक्षा तैयारी: तेजी से जटिल हवाई युद्ध में लड़ाकू विमानों के प्रभावी उपयोग के लिए उन्नत लड़ाकू नेतृत्व महत्वपूर्ण है।

सरकारी नीति लिंक:

- महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने को शुरू में 2015 में एक प्रायोगिक योजना के रूप में पेश किया गया था और बाद में इसे एक स्थायी सुविधा बनाया गया था। महिला अधिकारियों को अब भारत के सशस्त्र बलों में युद्ध और कमान से संबंधित भूमिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल किया जा रहा है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यक्ति: स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ
- उपलब्धि: फाइटर कॉम्बैट लीडर के रूप में अर्हता प्राप्त करने वाली पहली महिला भारतीय वायुसेना अधिकारी
- संस्थान: टीएसीडीई, ग्वालियर
- सेवा: भारतीय वायु सेना
- इससे पहले मील का पत्थर: लड़ाकू अभियानों के लिए अर्हता प्राप्त करने वाली पहली महिला लड़ाकू पायलट
- पहली तीन महिला फाइटर पायलट: भावना कंठ, अवनी चतुर्वेदी और मोहना सिंह
- रणनीतिक लिंक: महिलाओं की भागीदारी, सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध की तत्परता

इगा स्वियाटेक ने कनाडाई ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीता

- पोलैंड की टेनिस स्टार इगा स्विएटेक ने टोरंटो में 2026 कनाडाई ओपन में महिला एकल खिताब जीतने के लिए फाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को हराया।
- यह स्वियाटेक का 2026 सीज़न का पहला खिताब था और उनका पहला कैनेडियन ओपन फाइनल में उपस्थिति था।

कैनेडियन ओपन:

- कैनेडियन ओपन, जिसे नेशनल बैंक ओपन के नाम से भी जाना जाता है, एक प्रमुख पेशेवर टेनिस टूर्नामेंट है और डब्ल्यूटीए 1000 श्रेणी का हिस्सा है। यह पारंपरिक रूप से हार्ड कोर्ट पर खेला जाता है और यूएस ओपन से पहले एक महत्वपूर्ण तैयारी कार्यक्रम के रूप में कार्य करता है।

कैनेडियन ओपन 2026 चैंपियन:

कोटि	विजेता	भूक्षेत्र
पुरुष एकल	बेन शेल्टन	संयुक्त राज्य अमेरिका
महिला एकल	इगा स्वियाटेक	पोलैंड
पुरुष युगल	ऑरलैंडो लूज / राफेल माटोस	ब्राजील/ब्राजील
महिला युगल	कटेरिना सिनियाकोवा / झांग शुआई	चेक गणराज्य/चीन

इगा स्विएटेक के बारे में:

- इगा स्विएटेक महिला टेनिस की अग्रणी खिलाड़ियों में से एक हैं और छह बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन हैं। उन्होंने चार बार फ्रेंच ओपन, एक बार यूएस ओपन और एक बार विंबलडन जीता है। उन्होंने कई डब्ल्यूटीए 1000 खिताब भी जीते हैं।
- उनकी कनाडाई ओपन जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने एक लंबे खिताब के सूखे को समाप्त कर दिया और यूएस ओपन से पहले गति प्रदान की। इस जीत ने उनके कुल डब्ल्यूटीए 1000 खिताब को 12 तक पहुंचा दिया, जिससे वह आर्यना सबालेंका (11) से आगे निकल गईं और सेरेना विलियम्स के 13 के रिकॉर्ड के करीब पहुंच गईं।

ऐलेना रयबाकिना के बारे में:

- रयबाकिना ने कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और फाइनल में आर्यना सबालेंका को हराकर 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता। वह 2022 विंबलडन चैंपियन भी हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- विजेता: इगा स्विएटेक
- देश: पोलैंड
- उपविजेता: ऐलेना रयबाकिना
- देश: कजाकिस्तान
- टूर्नामेंट: कैनेडियन ओपन 2026
- श्रेणी: डब्ल्यूटीए 1000
- सतह: हार्ड कोर्ट
- स्थान: टोरंटो, कनाडा
- स्वियाटेक की 2026 उपलब्धि: सीज़न का पहला खिताब
- ग्रैंड स्लैम खिताब: 6

भाषिणी-नीति आयोग साझेदारी: समावेशी शासन के लिए बहुभाषी एआई

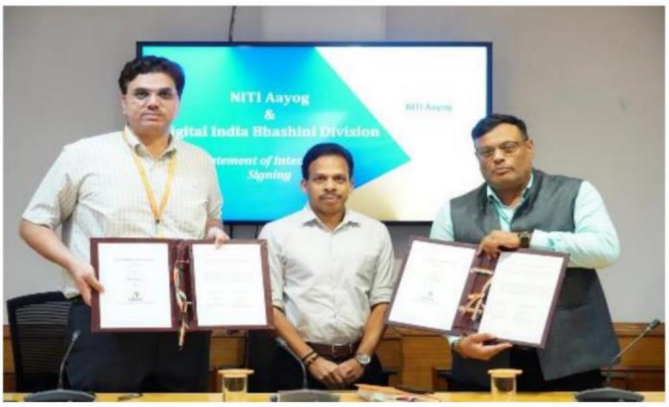

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और NITI आयोग के तहत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन (DIBD) ने नागरिक-केंद्रित शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए बहुभाषी, आवाज-प्रथम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को आगे बढ़ाने के लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (SoI) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस साझेदारी को सेवा/संचलन पहल के लिए भाषिणी के माध्यम से लागू किया जाएगा।

प्रमुख उद्देश्य:

- नागरिकों की पसंदीदा भारतीय भाषाओं में सरकारी जानकारी और सेवाएं प्रदान करना।
- डिजिटल साक्षरता के विभिन्न स्तरों वाले नागरिकों के लिए आवाज-प्रथम और बहुभाषी एआई को बढ़ावा देना।
- भाषिणी की भाषा प्रौद्योगिकियों को नीति आयोग के डिजिटल प्लेटफार्मों, दस्तावेज प्रणालियों और संचार कार्यप्रवाह में एकीकृत करना।
- क्षेत्र-विशिष्ट वॉयस बॉट और संदर्भ एप्लिकेशन विकसित करें।
- विशेष सरकारी शब्दावली का उपयोग करके अनुवाद मॉडल में सुधार करें।
- नागरिकों और सरकार के बीच दो-तरफ़ा संचार को सक्षम करें।

भाषिनी पारिस्थितिकी तंत्र:

- इस सहयोग में भाषिनी उद्यम, भाषिनी मित्र, भाषिणी अप्पमित्र, भाषिनी सहयोगी और भाषिनी प्रवर्तक शामिल होंगे। भाषिनी सहयोगी के माध्यम से,

साझेदारी पाठ, ऑडियो और वीडियो योगदान के माध्यम से भाषाई डेटा एकत्र करने और क्यूरेट करने के लिए भाषादान का उपयोग करेगी।

या तारा:

- यह साझेदारी नीति तारा (विश्लेषण, समीक्षा और कार्रवाई के लिए टूलकिट) पर भी आधारित है, जो बहु-क्षेत्रीय डैशबोर्ड और सहयोगी योजना उपकरणों के माध्यम से जमीनी स्तर, डेटा-संचालित शासन का समर्थन करता है। इसने 200+ क्षमता-निर्माण सत्र आयोजित किए हैं और जिलों और ब्लॉकों के 4,000+ अधिकारियों को सशक्त बनाया है।

स्मृति:

- भाषिनी के सहयोग से विकसित स्मृति (सिस्टम फॉर मीटिंग रिकॉर्डिंग, इंफॉर्मेशन एंड ट्रांसक्रिप्शन इंटरफेस), मीटिंग मिनट्स को स्वचालित करता है और बहुभाषी ट्रांसक्रिप्शन और अनुवाद की सुविधा प्रदान करता है, जिससे प्रशासनिक दक्षता में सुधार होता है।

स्पीकर के बारे में:

- भाषिणी एआई-संचालित बहुभाषी डिजिटल समावेशन के लिए भारत का राष्ट्रीय मंच है, जो डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (डीआईसी), एमईआईटीवाई के तहत काम कर रहा है। यह 36 भारतीय टेक्स्ट लैंग्वेज, 23 भारतीय वॉयस लैंग्वेज और 35 इंटरनेशनल भाषाओं का समर्थन करता है, 800+ सरकारी वेबसाइटों को शक्ति प्रदान करता है, और 9+ बिलियन संचयी एआई अनुमानों को सक्षम करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- मंत्रालय: एमईआईटीवाई
- पार्टनर्स: डीआईबीडी & नीति आयोग
- पहल: सेवा/संचलन के लिए भाषिणी
- फोकस: बहुभाषी, आवाज-प्रथम एआई
- नीति तारा: डेटा-संचालित जमीनी स्तर पर शासन
- स्मृति: स्वचालित मीटिंग रिकॉर्डिंग, ट्रांसक्रिप्शन और अनुवाद
- भाषिनी: 36 भारतीय पाठ + 23 भारतीय आवाज भाषाएँ

एक जड़ी-बूटी, एक मानक: सरकार ने औषधीय पौधों के मानकीकरण के लिए समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया

- भारत सरकार ने आयुष मंत्रालय के तहत भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी के लिए फार्माकोपिया आयोग (PCIM&H) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत भारतीय फार्माकोपिया आयोग (IPC) के बीच तीन साल के समझौता ज्ञापन (MoU) का नवीनीकरण किया है।
- साझेदारी का उद्देश्य भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों के लिए एकसमान, विश्वसनीय और वैज्ञानिक रूप से मजबूत गुणवत्ता मानक स्थापित करना है।

- एक जड़ी बूटी, एक मानक:
- यह पहल 2022 में शुरू किए गए "वन हर्ब, वन स्टैंडर्ड" कार्यक्रम पर आधारित है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक ही औषधीय पौधे की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के बावजूद लगातार पहचान, गुणवत्ता और सुरक्षा पैरामीटर हों, जिसमें इसका उपयोग किया जाता है।

कवर किए गए सिस्टम:

मानकीकरण ढांचे में उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों को शामिल किया गया है:

- आयुर्वेद
- सिद्ध
- उल्लू-रिग्पा
- यूनानी
- होम्योपैथी
- नवीनीकृत समझौता ज्ञापन विशेष रूप से पादप मूल की एकल दवाओं के लिए मानक विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रमुख उद्देश्य:

- औषधीय पौधों के लिए सामान्य वैज्ञानिक गुणवत्ता मानक स्थापित करना।
- पारंपरिक प्रणालियों में गुणवत्ता बेंचमार्क में भिन्नता को कम करें।
- हर्बल कच्चे माल की पहचान, शुद्धता, गुणवत्ता और स्थिरता में सुधार करें।
- पारंपरिक दवाओं की सुरक्षा और विश्वसनीयता को मजबूत करना।
- भारतीय मानकों को वैश्विक गुणवत्ता बेंचमार्क के साथ संरेखित करें।
- भारतीय पारंपरिक दवाओं की व्यापक स्वीकृति और निर्यात क्षमता का समर्थन करना।

संस्थागत महत्व:

- पीसीआईएमएंडएच: भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और होम्योपैथी के लिए फार्माकोपियल मानक और फॉर्मूलरी विनिर्देश विकसित करता है।
- आईपीसी: भारतीय फार्माकोपिया ढांचे के तहत दवाओं की पहचान, शुद्धता और ताकत के लिए मानकों का विकास और प्रकाशन करता है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- मानकीकरण आवश्यक है क्योंकि पौधों की प्रजातियों, भौगोलिक उत्पत्ति, प्रसंस्करण और मिलावट में भिन्नता हर्बल दवाओं की गुणवत्ता और चिकित्सीय स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए वैज्ञानिक रूप से विकसित मानक गुणवत्ता आश्वासन, उपभोक्ता सुरक्षा, अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता को मजबूत कर सकते हैं।

वैश्विक लिंक:

- साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय ध्यान के बीच यह पहल महत्वपूर्ण है। मई 2025 में, WHO के सदस्य देश वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा रणनीति 2025-2034 पर सहमत हुए, जिसका उद्देश्य सुरक्षित, प्रभावी और साक्ष्य-आधारित पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा को बढ़ावा देना है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- समझौता ज्ञापन: पीसीआईएम एंड एच-आईपीसी
- अवधि: 3 साल
- पहल: एक जड़ी बूटी, एक मानक
- शुरू की गई: 2022
- मंत्रालय: आयुष मंत्रालय + स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
- सिस्टम: आयुर्वेद, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी, होम्योपैथी
- मुख्य विषय: औषधीय पौधों का मानकीकरण और गुणवत्ता आश्वासन

अभ्यास उदय शक्ति 2026: भारत-मलेशिया ने वायु सेना की पारस्परिकता को मजबूत किया

- भारतीय वायु सेना (IAF) और रॉयल मलेशियाई वायु सेना (RMAF) ने मलेशिया के सुबांग एयर बेस में द्विपक्षीय अभ्यास उदय शक्ति 2026 शुरू किया है। पांच दिवसीय अभ्यास संयुक्त प्रशिक्षण, परिचालन शिक्षा, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और दोनों वायु सेनाओं के बीच पारस्परिकता बढ़ाने पर केंद्रित है।
- भारतीय राफेल लड़ाकू विमान मलेशियाई सुखोई-30एमकेएम और एफ/ए-18डी विमानों के साथ भाग ले रहे हैं, जो विभिन्न लड़ाकू प्लेटफार्मों और परिचालन अवधारणाओं को शामिल करते हुए प्रशिक्षण को सक्षम कर रहे हैं।

इंटरऑपरेबिलिटी क्या है?

- इंटरऑपरेबिलिटी से तात्पर्य विभिन्न देशों के सशस्त्र बलों की संयुक्त मिशनों के दौरान प्रभावी ढंग से संचालित करने और समन्वय करने की क्षमता से है। इसमें संगत प्रक्रियाएं, संचार, रणनीति, कमांड संरचनाएं और परिचालन समझ शामिल है।

सामरिक महत्व:

- रक्षा सहयोग: बढ़ती भारत-मलेशिया रक्षा साझेदारी को मजबूत करता है।
- हिंद-प्रशांत सुरक्षा: व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख दक्षिण पूर्व एशियाई भागीदार के साथ सहयोग बढ़ाता है।
- परिचालन तत्परता: विदेशी वायु सेना और भिन्न विमानों के साथ संचालन में अनुभव प्रदान करता है।
- क्षमता निर्माण: एसएमई एक्सचेंज परिचालन अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं।
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी: दक्षिण पूर्व एशिया के साथ भारत के व्यापक जुड़ाव का समर्थन करती है।

भारत-मलेशिया रक्षा संबंध:

- भारत और मलेशिया ने 2024 में अपने संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया। रक्षा सहयोग में सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण, स्टाफ वार्ता, क्षमता निर्माण और समुद्री सहयोग शामिल हैं। जुलाई 2026 में नई दिल्ली में आयोजित सैन्य सहयोग (SCMC) पर 12वीं उप समिति की बैठक में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की गई।

अन्य भारत-मलेशिया सैन्य अभ्यास:

- अभ्यास हरिमऊ शक्ति भारत और मलेशिया के बीच एक वार्षिक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है। यह उप-पारंपरिक अभियानों और आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें घेराबंदी और तलाशी और हेलीबोर्न ऑपरेशन शामिल हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- अभ्यास: उदय शक्ति 2026
- देश: भारत और मलेशिया
- बल: भारतीय वायुसेना और आरएमएएफ
- स्थान: सुबांग एयर बेस, मलेशिया
- फोकस: वायु-सेना की अंतरसंचालनीयता और परिचालन शिक्षा
- क्षेत्र: दक्षिण पूर्व एशिया/इंडो-पैसिफिक
- सेना अभ्यास: हरिमऊ शक्ति
- राजनयिक ढांचा: भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2024)

रक्षा मंत्रालय ने लोइटर म्यूनिशन सिस्टम के लिए 1,577 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

- रक्षा मंत्रालय (MoD) ने भारतीय सेना के लिए लोइटर म्यूनिशन सिस्टम की खरीद के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) और NIBE प्राइवेट लिमिटेड के साथ ₹1,577 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में नई दिल्ली में अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

Loitering Munitions क्या हैं?

- लॉइटरिंग म्यूनिशन मानव रहित हथियार प्रणालियाँ हैं जो एक निर्दिष्ट क्षेत्र में घूम सकती हैं, एक लक्ष्य की पहचान कर सकती हैं/प्राप्त कर सकती हैं और फिर उस पर हमला कर सकती हैं। वे ड्रोन/यूएवी और सटीक-निर्देशित युद्ध सामग्री की विशेषताओं को जोड़ते हैं।
- पारंपरिक तोपखाने गोला-बारूद के विपरीत, वे लक्ष्य को भेदने से पहले एक अवधि के लिए हवा में रह सकते हैं, अधिक निगरानी, लक्ष्य अधिग्रहण और सटीक-हड़ताल क्षमता प्रदान करते हैं।

यह भारतीय सेना के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

- इस खरीद का उद्देश्य आर्टिलरी रेजिमेंट की क्षमताओं को बढ़ाना और सेना की समग्र परिचालन प्रभावशीलता में सुधार करना है।

परिचालन लाभ:

- पहचाने गए लक्ष्यों के खिलाफ सटीक हमला।
- सगाई से पहले खोजने और घूमने की क्षमता।
- उच्च-मूल्य और समय-संवेदनशील लक्ष्यों के खिलाफ उपयोगी।
- कुछ मिशनों के लिए पारंपरिक तोपखाने पर निर्भरता कम कर सकता है।
- आधुनिक, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध में अधिक लचीलापन प्रदान करता है।
- कठिन इलाके और विवादित वातावरण में विशेष रूप से प्रासंगिक।

आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्व:

- टीएएसएल और एनआईबीई से खरीद रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण और भारत के घरेलू रक्षा-औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। सरकार ने इस अधिग्रहण को आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की दिशा में एक कदम बताया है।
- यह घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ाने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए भारत के व्यापक प्रयास के अनुरूप भी है।

लॉइटरिंग म्यूनिशन बनाम पारंपरिक ड्रोन

विशेषता	घूमना युद्ध सामग्री	पारंपरिक यूएवी/ड्रोन
प्राथमिक भूमिका	निगरानी + हड़ताल	मुख्य रूप से निगरानी/टोही
हथियार ही	आमतौर पर खर्च करने योग्य	आमतौर पर पुन: प्रयोज्य
लक्ष्य सगाई	सीधे लक्ष्य पर हमला कर सकता है	अक्सर अलग हथियार की आवश्यकता होती है
घूमना	हाँ	हाँ, प्रकार के आधार पर
प्रकृति	मानव रहित सटीक हथियार	मानव रहित विमान

संबंधित सरकारी पहल:

- सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची: रक्षा मंत्रालय ने रक्षा वस्तुओं की सूची जारी की है जिन्हें घरेलू स्रोतों से उत्तरोत्तर खरीदा जाना है।
- रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी), 2020: रक्षा खरीद के लिए रूपरेखा प्रदान करता है और स्वदेशी डिजाइन, विकास और विनिर्माण पर जोर देता है।
- iDEX (रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार): रक्षा अनुप्रयोगों के लिए स्टार्ट-अप, MSME और नवप्रवर्तकों द्वारा नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देता है।
- रक्षा औद्योगिक गलियारे: रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो प्रमुख गलियारे स्थापित किए गए हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- वर्तमान घटना: रक्षा मंत्रालय ने लोइटर म्यूनिशन सिस्टम के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।
- कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू: ₹1,577 करोड़.
- उपयोगकर्ता: भारतीय सेना।
- कंपनियां: टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और एनआईबीई प्राइवेट लिमिटेड।
- मुख्य लाभार्थी: आर्टिलरी रेजिमेंट।
- प्रमुख तकनीक: मानवरहित, घूमने, सटीक-स्ट्राइक हथियार।
- पॉलिसी लिंक: आत्मनिर्भर भारत + रक्षा स्वदेशीकरण।
- डीएपी: रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया, 2020।
- आईडीईएक्स: रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार।
- रक्षा गलियारे: उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सक्रिय वृद्धावस्था के लिए एसएनईएचए ई-बुक लॉन्च की गई

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिकों की परिषद (NCSrC) की 5वीं बैठक के दौरान SNEHA – पोषण, जुड़ाव, खुशी और सक्रिय बुढ़ापे की कहानियां लॉन्च कीं।
- ई-बुक अक्टूबर 2024 से जून 2026 तक वरिष्ठ नागरिक प्रभाग के प्रमुख कार्यक्रमों, पहलों और उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण करती है।

प्रमुख सरकारी पहल: AVYAY:

- बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यापक योजना अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवाईवाईवाई) के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की गई। इसका उद्देश्य स्वस्थ, सम्मानजनक और सक्रिय बुढ़ापे को बढ़ावा देना, कमजोर बुजुर्ग व्यक्तियों को देखभाल और आश्रय प्रदान करना और सामाजिक और अंतर-पीढ़ीगत सहायता प्रणालियों को मजबूत करना है।

महत्वपूर्ण घटक/पहल:

- वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (IPSrC) - वरिष्ठ नागरिक घरों, निरंतर देखभाल घरों, मोबाइल मेडिकेयर इकाइयों और फिजियोथेरेपी क्लीनिकों के लिए समर्थन।
- राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाई) – पात्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक जीवित उपकरण।
- एल्डरलाइन (14567) - वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन।
- जीवन ऐप - बुजुर्गों की सुरक्षा, कल्याण, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच और सामाजिक समावेशन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म।
- SHATAYU डैशबोर्ड - वृद्धावस्था देखभाल करने वाले समर्थन और प्रशिक्षण पर केंद्रित है।

करंट पॉलिसी लिंक: आयुष्मान भारत

- सरकार ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत-पीएम जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) कवरेज का विस्तार किया है, भले ही उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। यह भारत की बढ़ती आबादी और बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

सक्रिय बुढ़ापा क्यों महत्वपूर्ण है?

- भारत एक वृद्ध आबादी की ओर एक क्रमिक जनसांख्यिकीय संक्रमण का अनुभव कर रहा है। इसलिए नीतिगत दृष्टिकोण केवल वृद्धावस्था सहायता प्रदान करने से बदलकर प्रचार कर रहा है:
- स्वस्थ उम्र बढ़ना
- आर्थिक और सामाजिक भागीदारी
- आयु-अनुकूल बुनियादी ढांचा
- निवारक स्वास्थ्य देखभाल
- डिजिटल समावेशन
- अंतर-पीढ़ीगत संबंध
- गरिमा के साथ बुढ़ापा और जगह में बुढ़ापा
- सरकार का वर्तमान दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से "गरिमा के साथ बुढ़ापा" और "जगह पर बुढ़ापा" पर जोर देता है।

महत्वपूर्ण डेटा:

- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक (60+ वर्ष) थे - 5.11 करोड़ पुरुष और 5.27 करोड़ महिलाएं।
- लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी इन इंडिया (एलएएसआई) में पाया गया कि 60+ आयु वर्ग के 23.8% व्यक्तियों में दैनिक जीवन की गतिविधियों (एडीएल) में कम से कम एक सीमा है, जो दीर्घकालिक और वृद्धावस्था देखभाल की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

संवैधानिक और कानूनी लिंक

- अनुच्छेद 41: वृद्धावस्था, बीमारी और विकलांगता सहित मामलों में राज्य द्वारा अपनी आर्थिक क्षमता के भीतर सार्वजनिक सहायता के प्रावधान से संबंधित नीति निर्देशक सिद्धांत।
- अनुच्छेद 46: कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना।
- अनुच्छेद 21: जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार - सम्मानजनक बुढ़ापे के लिए प्रासंगिक।
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007: वरिष्ठ नागरिकों और माता-पिता के भरण-पोषण और कल्याण के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- स्नेहा: पोषण, जुड़ाव, खुशी और सक्रिय उम्र बढ़ने की कहानियां।
- मंत्रालय: सामाजिक न्याय और अधिकारिता।
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए नोडल मंत्रालय: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय।
- अम्ब्रेला स्कीम: AVYAY।
- मुख्य विषय: सक्रिय उम्र बढ़ना + गरिमा के साथ बुढ़ापा + जगह में बुढ़ापा।
- एनसीएसआरसी: वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय परिषद।
- जीवन: संयुक्त बुजुर्ग सशक्तिकरण और वर्चुअल सहायता नेटवर्क।
- SHATAYU: आपकी उपयोगिता के लिए वरिष्ठ समग्र देखभाल सहायता और प्रशिक्षण।
- संवैधानिक लिंक: अनुच्छेद 41.
- आंकड़े: 2011 की जनगणना के अनुसार 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक।

चिकित्सा पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच-सेमिरी समझौता ज्ञापन

- आयुष मंत्रालय के सीसीआरएएस के तहत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच) ने आयुर्वेद और संबद्ध पारंपरिक ज्ञान से संबंधित सैकड़ों चिकित्सा पांडुलिपियों को डिजिटाइज़ और सूचीबद्ध करने के लिए सेवधी संग्रहालय और इंडोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (SEMIRI), कोट्टायम, केरल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिंदु

- संस्थान: सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच + सेमिरी।
- स्थान: कुमारनल्लूर, कोट्टायम, केरल।
- सेमिरी संग्रह: मंदिर के रिकॉर्ड सहित 30,000+ पांडुलिपियां।
- फोकस: डिजिटलीकरण + चिकित्सा पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचीकरण।
- कैटलॉग विवरण: शीर्षक, लेखक, भाषा, स्क्रिप्ट, विषय, सामग्री, आयाम, फोलियो, स्थिति और उत्पत्ति।
- रिपॉजिटरी प्रारूप: आयुष पांडुलिपियां उन्नत भंडार।
- व्यापक पहल: ज्ञान भारतम मिशन।
- महत्व: आयुर्वेद की पाठ्य विरासत का संरक्षण और भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) में अनुसंधान को बढ़ावा देना।

ज्ञान भारतम मिशन:

- ज्ञान भारतम एक सरकारी पहल है जिसका उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, प्रलेखन, संरक्षण, डिजिटलीकरण और व्यापक प्रसार करना है। यह नाजुक भौतिक संग्रहों की रक्षा करते हुए शोधकर्ताओं के लिए पांडुलिपियों को सुलभ बनाने का प्रयास करता है।

चिकित्सा पांडुलिपियाँ क्यों मायने रखती हैं:

ये पांडुलिपियाँ इस बारे में प्राथमिक-स्रोत साक्ष्य प्रदान करती हैं:

- आयुर्वेदिक चिकित्सा विज्ञान और मटेरिया मेडिका
- नैदानिक अवधारणाएं
- चिकित्सा ज्ञान का विकास
- पारंपरिक फार्मास्युटिकल प्रथाएं
- विद्वानों की परंपराएं और ज्ञान का प्रसारण

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- सीसीआरएएस: केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद।
- एनआईआईएमएच: राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान, हैदराबाद।
- मंत्रालय: आयुष मंत्रालय।

- सेमिरी: सेवाधी संग्रहालय और इंडोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, कुमारनल्लूर, कोट्टायम।
- आयुर्वेद: भारत के आयुष ढांचे के तहत कवर की जाने वाली प्रमुख प्रणालियों में से एक।
- डिजिटलीकरण नाजुक पांडुलिपियों के भौतिक संचालन को कम करने में मदद करता है जबकि विद्वानों की पहुंच में सुधार करता है।
- यह पहल पांडुलिपि, पाठ्य आलोचना, डिजिटल संरक्षण और चिकित्सा के इतिहास का समर्थन करती है।

संवैधानिक/नीति लिंक:

- अनुच्छेद 29: विशिष्ट भाषा, लिपि और संस्कृति के संरक्षण का अधिकार।
- अनुच्छेद 51A(f): भारत की समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना और संरक्षित करना मौलिक कर्तव्य।
- एसडीजी 11.4: दुनिया की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा के प्रयासों को मजबूत करना।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- वर्तमान: सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच ने चिकित्सा पांडुलिपि डिजिटलीकरण के लिए सेमिरी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- राज्य: केरल
- जिला: कोट्टायम
- SEMIRI में पांडुलिपियाँ: 30,000+
- मुख्य विषय: आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान
- नोडल मंत्रालय: आयुष मंत्रालय
- CCRAS मुख्यालय: नई दिल्ली
- एनआईआईएमएच: हैदराबाद
- प्रमुख लिंकेज: ज्ञान भारतम मिशन + भारतीय ज्ञान प्रणाली
- संवैधानिक लिंक: अनुच्छेद 51A(f)

वीरता पुरस्कार 2026: राष्ट्रपति ने 78 पुरस्कारों को मंजूरी दी

- भारत के 80 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के कर्मियों के लिए 13 मरणोपरांत पुरस्कारों सहित 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी।

मुख्य बिंदु

- कुल वीरता पुरस्कार: 78
- मरणोपरांत: 13
- कीर्ति चक्र: 9, जिसमें 7 मरणोपरांत शामिल हैं
- शौर्य चक्र: 19, जिसमें 1 मरणोपरांत शामिल है
- बार से शौर्य चक्र: 1
- बार टू सेना मेडल (वीरता): 5
- सेना पदक (वीरता): 36, जिसमें 5 मरणोपरांत शामिल हैं
- नौसेना पदक (वीरता): 3 पद
- वायु सेना पदक (वीरता): 5 पद
- अवसर: 80वां स्वतंत्रता दिवस, 2026।

वीरता पुरस्कार:

- भारत के वीरता पुरस्कारों को मोटे तौर पर युद्धकालीन और शांतिकाल की श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

युद्धकालीन वीरता पुरस्कार:

- परमवीर चक्र (पीवीसी) – सर्वोच्च सैन्य वीरता पुरस्कार।
- महावीर चक्र (एमवीसी)
- वीर चक्र

पीकटाइम वीरता पुरस्कार:

- अशोक चक्र – शांतिकाल का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार।
- कीर्ति चक्र
- शौर्य चक्र
- महत्वपूर्ण: कीर्ति चक्र शांतिकाल का दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है, जबकि शौर्य चक्र तीसरा सबसे बड़ा है।

महत्वपूर्ण भेद:

- वीरता ≠ विशिष्ट सेवा
- वीरता पुरस्कार खतरे का सामना करने में असाधारण साहस और वीरता को मान्यता देते हैं।

- प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार कर्तव्य और सेवा के प्रति असाधारण समर्पण को मान्यता देते हैं।

संवैधानिक और संस्थागत लिंक:

- भारत के राष्ट्रपति अनुच्छेद 53 के तहत रक्षा बलों के सर्वोच्च कमांडर होते हैं, जबकि राष्ट्रपति औपचारिक रूप से विभिन्न राष्ट्रीय सम्मान भी प्रदान करते हैं।
- वीरता पुरस्कारों की घोषणा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों, विशेष रूप से गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर की जाती है।

महत्वपूर्ण पुरस्कार विजेता:

वीरता पुरस्कार	प्राप्तकर्ता	सेवा/विभाग	स्थिति
कीर्ति चक्र	लेफ्टिनेंट कर्नल मेनियो फ्रांसिस पीएफ	समूह	—
कीर्ति चक्र	मेजर जितेंद्र राठी	समूह	—
कीर्ति चक्र	हविलदार गजेंद्र सिंह	समूह	निधनोत्तर
कीर्ति चक्र	हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह	गृह मंत्रालय	निधनोत्तर
कीर्ति चक्र	एसजी कांस्टेबल जसवंत सिंह	गृह मंत्रालय	निधनोत्तर
कीर्ति चक्र	एसजी कांस्टेबल बलविंदर सिंह	गृह मंत्रालय	निधनोत्तर
कीर्ति चक्र	एसजी कांस्टेबल तारिक हुसैन	गृह मंत्रालय	निधनोत्तर
कीर्ति चक्र	हेड कांस्टेबल बशीर अहमद	गृह मंत्रालय	निधनोत्तर
कीर्ति चक्र	इंस्पेक्टर एसटीएफ सुनील कुमार	गृह मंत्रालय	निधनोत्तर

बार से शौर्य चक्र — 1

- मेजर आदित्य प्रताप सिंह - सेना

शौर्य चक्र — 19, 1 मरणोपरांत:

- लांस नायक नरेंद्र सिंधु - मरणोपरांत

बार टू सेना मेडल (वीरता) — 5

- मेजर डीएस पाओशो
- मेजर अनुज महाजन
- मेजर कृष्ण कांत
- सूबेदार रमेश कुमार
- नैब सूबेदार राजेंद्र सिंह

सेना पदक (वीरता) — 36, 5 मरणोपरांत

वीरता पुरस्कार	प्राप्तकर्ता	स्थिति
सेना पदक (वीरता)	सूबेदार परभात गौर	निधनोत्तर
सेना पदक (वीरता)	लांस हवलदार पलाश घोष	निधनोत्तर
सेना पदक (वीरता)	लांस नायक सुजय घोष	निधनोत्तर
सेना पदक (वीरता)	लांस नायक प्रीतपाल सिंह	निधनोत्तर
सेना पदक (वीरता)	सिपाही हरमिंदर सिंह	निधनोत्तर

नौसेना पदक (वीरता) — 3

- कमांडर विनीत शर्मा
- कमांडर युवराज कुमार
- पीओए (एफडी) सी. अविनाश अन्नासो

वायु सेना पदक (वीरता) — 5

- ग्रुप कैप्टन राहुल जगोटा
- ग्रुप कैप्टन राहुल रावत
- विंग कमांडर आशीष राजपूत
- फ्लाइट लेफ्टिनेंट यश
- मास्टर वारंट ऑफिसर रविंद्रजीत सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के लिए युवा-केंद्रित पहल और 'शक्ति की सप्तधारा' की घोषणा की

- अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा सशक्तिकरण, एआई कौशल और प्रतिस्पर्धी-परीक्षा की तैयारी के लिए सस्ती पहुंच पर केंद्रित पहलों के एक सेट की घोषणा की। उन्होंने "शक्ति की सप्तधारा" को भी रेखांकित किया, जो विकसित भारत @2047 की दिशा में भारत की यात्रा को तेज करने के लिए एक सात-स्तंभ ढांचा है।

प्रमुख घोषणाएँ:

1 करोड़ युवाओं के लिए एआई प्रशिक्षण:

- सरकार 1 करोड़ (10 मिलियन) युवाओं को एआई कौशल प्रशिक्षण प्रदान करेगी।
- उद्देश्य: भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाना और वैश्विक एआई इकोसिस्टम में भारत की स्थिति को मजबूत करना।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग

- सरकार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करने की योजना बना रही है।
- यह पहल भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और योग्य शिक्षकों/शिक्षकों के नेटवर्क का लाभ उठाएगी।
- यह गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर कोचिंग के वित्तीय बोझ को कम करने और स्थान की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण तैयारी तक पहुंच में सुधार करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रव्यापी खेल प्रतिभा खोज:

- लक्ष्य आयु: 5-15 वर्ष।
- बच्चों में खेल क्षमता की पहचान करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रतिभा-पहचान कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- यह पहल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए एथलीटों की एक मजबूत पाइपलाइन बनाने की भारत की महत्वाकांक्षा से जुड़ी है।
- प्रधानमंत्री ने 2036 तक कम से कम तीन-चौथाई ओलंपिक आयोजनों में भाग लेने की भारत की व्यापक महत्वाकांक्षा भी निर्धारित की।

सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पुश:

- प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत ने तीन सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधाओं में उत्पादन शुरू कर दिया है और देश अगले 1-2 वर्षों में 7-8 अतिरिक्त सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। इसका उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)

- भारत का सेमीकंडक्टर प्रोत्साहन भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) में निहित है।
- स्वीकृत: 2021
- प्रारंभिक वित्तीय परिव्यय: ₹76,000 करोड़
- उद्देश्य: भारत में एक पूर्ण सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम विकसित करना।
- सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, परीक्षण, डिजाइन और संबंधित बुनियादी ढांचे को शामिल करता है।

'शक्ति की सप्तधारा' – सेवन पिलर्स

स्तंभ	फ़ोकस
निर्माण शक्ति	भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाएं।
कृषि एवं खाद्य उत्पादन	कृषि उत्पादकता बढ़ाना और खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं को मजबूत करना।
प्रौद्योगिकी और नवाचार	अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, स्टार्ट-अप और उभरती प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।
गति शक्ति	बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करें।
रक्षा शक्ति	रक्षा स्वदेशीकरण और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।
हरित और नीली अर्थव्यवस्था	नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ महासागर/समुद्री संसाधनों का दोहन।
सॉफ्ट पावर	वैश्विक प्रभाव को मजबूत करने के लिए भारत की संस्कृति, परंपराओं, योग, फिल्मों, वीएफएक्स, गेमिंग और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों का उपयोग करें।

सप्तधारा क्यों महत्वपूर्ण है?

- यह एक एकीकृत विकास दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो आर्थिक विकास को प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे, रक्षा, स्थिरता और भारत के सांस्कृतिक प्रभाव से जोड़ता है।

डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI):

भारत के डीपीआई इकोसिस्टम में निम्नलिखित प्लेटफॉर्म शामिल हैं:

- आधार – डिजिटल पहचान
- UPI – डिजिटल भुगतान
- डिजिलॉकर - डिजिटल दस्तावेज़
- कोविन - डिजिटल स्वास्थ्य/टीकाकरण मंच
- ONDC - ओपन डिजिटल कॉमर्स नेटवर्क
- प्रस्तावित मुफ्त कोचिंग पहल दर्शाती है कि डीपीआई का उपयोग सार्वजनिक सेवा वितरण और शैक्षिक समावेशन के लिए कैसे किया जा सकता है।

एआई और भारत:

- यह घोषणा एआई-तैयार कार्यबल विकसित करने के भारत के व्यापक प्रयास से जुड़ी है। महत्वपूर्ण पहलों में शामिल हैं:

इंडियाएआई मिशन - 2024 में स्वीकृत।

- फोकस क्षेत्रों में एआई कंप्यूट क्षमता, डेटासेट, स्वदेशी एआई मॉडल, कौशल और जिम्मेदार एआई शामिल हैं।
- एआई कौशल भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वचालन, रोजगार विस्थापन, एल्गोरिथम पूर्वाग्रह और डेटा गवर्नेंस के मुद्दों को भी उठाता है।

यूथ & विकसित भारत:

- माई भारत (मेरा युवा भारत) युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जिसकी स्थापना युवाओं के विकास और युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए की गई है। यह 15-29 आयु वर्ग को लक्षित करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट:

- वर्तमान: प्रधानमंत्री ने 1 करोड़ युवाओं के लिए एआई प्रशिक्षण की घोषणा की।
- शिक्षा: प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग।
- प्रौद्योगिकी: डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का अधिक उपयोग।
- फ्रेमवर्क: शक्ति की सप्तधारा
- सप्तधारा: कृषि ⟶ प्रौद्योगिकी ⟶ गति शक्ति ⟶ हरित/नीली अर्थव्यवस्था ⟶ सॉफ्ट पावर ⟶ विनिर्माण ⟶।
- लॉन्ग-टर्म विज़न: विकसित भारत @2047.
- एआई नीति: इंडियाएआई मिशन के साथ लिंक।
- सामाजिक आयाम: कोचिंग तक पहुंच में असमानता को कम करना।
- आर्थिक आयाम: कौशल + रोजगार + जनसांख्यिकीय लाभांश।

लेट्स रिवाइज

- फाइटर कॉम्बैट लीडर के रूप में अर्हता प्राप्त करने वाली IAF की पहली महिला अधिकारी कौन बनीं? स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ।
- 2026 कनाडाई ओपन में महिला एकल का खिताब किसने जीता? पोलैंड की इगा स्विएटेक।
- किन दो संगठनों ने बहुभाषी एआई-आधारित समावेशी शासन के लिए आशय के बयान पर हस्ताक्षर किए? डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग और नीति आयोग।
- PCIM&H और IPC के बीच नवीनीकृत समझौता ज्ञापन की अवधि क्या है? तीन साल।
- अभ्यास उदय शक्ति 2026 में कौन सी दो वायु सेनाएं भाग ले रही हैं? भारतीय वायु सेना और रॉयल मलेशियाई वायु सेना।
- हाल ही में, रक्षा मंत्रालय ने किस उपकरण के लिए ₹1,577 करोड़ के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए? लोइटर म्यूनिशन सिस्टम।
- हाल ही में, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सक्रिय वृद्धावस्था के लिए SNEHA ई-बुक लॉन्च की गई। SNEHA का क्या अर्थ है? पोषण, जुड़ाव, खुशी और सक्रिय उम्र बढ़ने की कहानियां।
- SEMIRI, हाल ही में चिकित्सा पांडुलिपि डिजिटलीकरण से जुड़ा हुआ है, किस राज्य में स्थित है? केरल।
- 2026 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कितने वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी गई? 78, जिसमें 13 मरणोपरांत शामिल हैं।
- भारत का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार कौन सा है? अशोक चक्र।
- खबरों में 'शक्ति की सप्तधारा' किससे जुड़ी है? विकसित भारत @2047 की दिशा में भारत के विकास के लिए एक सात-स्तंभ ढांचा।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA